E- ISSN No: 2395-0269

International Journal of Applied and Universal Research
Volume 2, Issue 1, Jan-Feb. 2015 Available online at: www.ijaur.com

Journal OF APPLIED AND UNIVERSAL RESEARCH

वर्तमान समय में मध्यम वर्गीय परिवारों के बजट पर जीवन चक्र की विभिन्न अवस्थाओं के प्रभावों का अध्ययन करना (उज्जैन शहर के विशेष संदर्भ में)

श्रीमती रेखा सूर्यवंशी , रूची यादव
गृह विज्ञान विभाग
शा. महाविद्यालय, अमरपाटन जिला सतना (म.प्र.)
स्कूल ऑफ स्टडी इन स्टेटिक्स उज्जैन, (म.प्र.)

सारांश – आधुनिक युग में विकास व अन्य कार्यों के लिए धन का जीवन में एक विशेष महत्व है। उच्च रहन–सहन से लेकर जीवन निर्वाह तक प्रत्येक परिवार को धन पर आश्रित होना पड़ता है। प्रत्येक परिवार की जीवन, व्यवस्था या तंत्र एक निश्चित प्रकार का होता है तथा यह एक निर्धारित चक्र का अनुगमन करना है परिवारिक जीवन चक्र निरन्तर गतिशील रहता हैं। जीवन चक्र गतिशील रहने के कारण इसमें भिन्न समय में परिवर्तन होते रहते हैं। यद्यपि दो परिवारों की व्यवस्था एक समान नहीं होती हैं। किन्तु पारिवारिक जीवन की निश्चित अवस्थाएँ होती हैं और प्रत्येक अवस्था की धन संबंधी भाग अलग–अलग होती है। धन से परिवार को अधिकतम सन्तुष्टि तभी मिल सकती है जब उसका समुचित व्यवस्थापन हो। पारिवारिक जीवन चक्र की विभिन्न अवस्थाओं में मध्यम आय समूह वर्गों द्वारा बजट की विभिन्न मदों पर किया जाने वाला व्यय अलग–अलग होता है। जिससे निष्कर्ष निकलता है कि जीवनचक्र की अवस्थाएँ बजट को सार्थक रूप से प्रभावित करती हैं।

मुख्य शब्द – आधुनिक युग, पारिवारिक समस्याएँ एवं जीवन निर्वाह।

1. प्रस्तावना –

धन के उपयोग की योजना का सबसे सामान्य तरीका बजट बनाना है। पारिवारिक बजट में एक नि" चत अवधि में किसी प्रकार की आय और व्यय का विस्तृत ब्यौरा दिया जाता है। अनेक विद्वानों ने पारिवारिक बजट को परिभाषित किया है। केग एवं र" ा के अनुसार ''बजट भूत के व्यय, भविष्य के अनुमानित व्यय और वर्तमान समय के मदों पर नि" चत व्यय का लेखा–जोखा है।'' वर्मा दे" ापाण्डे (1974) के अनुसार परिवार के व्यय की पूर्व योजना को ही पारिवारिक बजट कहते हैं। पारिवारिक बजट में एक परिवार की वि" ाष्ट समय की अनुमानित आय और व्यय का ब्योरेवार वर्णन होता है।

पारिवारिक बजट में व्यय की प्रमुख मदें : प्रत्येक परिवार की आय, आवश्यकताएँ, व्यवसाय, जीवन स्तर, पारिवारिक स्थितियाँ आदि भिन्न–भिन्न होते हैं और पारिवारिक बजट भी उसी के अनुरूप भिन्न–भिन्न होते हैं। कुछ मद ऐसे होते हैं जो प्रत्येक परिवार के लिए समान होते हैं। ये मद निम्नलिखित हैं :1.भोजन 2. वस्त्र 3. आवास 4. ि" ाक्षा 5. स्वास्थ्य 6. मनोरंजन 7. यातायात 8. बचत 9. अन्य घरेलू व्यय।

पारवारिक जीवन चक्र की अवस्थाएँ : प्रत्येक परिवार व्यक्तिगत रूप से भिन्न होता है। किंतु यह अपने जीवन इतिहास में समान अवस्थाओं से गुजरते है। ग्रॉस एवं केण्डल के अनुसार परिवार दो संबंधित व्यक्तियों से आरंभ होता है, अपनी विस्तृत अवस्था में वह वृद्धि करता है और अंत में फिर वह दो वृद्ध व्यक्तियों पर आ जाता है। (मंजू पाटनी 1993:303) पारिवारिक जीवन चक्र की अवस्थाएँ परिवार के बजट को प्रभावित करती है अतः गृहिणी को पारिवारिक जीवन चक्र की विस्तृत जानकारी होना आवश्यक हैं। यह अवस्थाएं निम्न हैः–

प्रारम्भिक अवस्था – यह अवस्था विवाह के साथ आरम्भ होकर परिवार में प्रथम संतान के जन्म तक चलती है। यह अवस्था लगभग 0–4 वर्ष तक रहती है। 'कुछ लोगो ने इस अवस्था को स्थापत्य काल कहा है'। (बेरी बी. स्वान्सन 1981:244) कुछ विद्वानों ने पारिवारिक जीवन चक्र की प्रारम्भिक अवस्था को समायोजन काल कहा है। यह अवस्था पति–पत्नी के, उनकी नवीन भूमिकाओं एवं नवीन उत्तरदायित्वों के प्रति समायोजन करने से संबंधित होती है।

विस्तार की अवस्था – यह अवस्था प्रथम संतान के जन्म से आरंभ होती है और प्रथम संतान के स्वयं के परिवार की स्थापना पर समाप्त होती है। यह अवस्था सर्वाधिक विस्तृत लगभग 20 वर्ष से लेकर 25 वर्ष तक की होती है।*पैरी एवं पैरी (1977)* के अनुसार – ''यह अवस्था पारिवारिक जीवनचक्र की व्यस्ततम अवस्था होती है। इस अवस्था में परिवार भौतिक वस्तुओं का संग्रह करता है और अपने रहन–सहन के स्तर में व्यापक सुधार लाता है।''

संकुचित अवस्था – यह अवस्था प्रथम संतान के स्थायी रूप से घर छोड़ने से आरम्भ होती है। (भारत वर्ष में यह अवस्था प्रथम संतान के विवाहोपरांत नवीन गृहस्थी के निर्माण से आरम्भ होती है) इस अवस्था में वृद्ध माता–पिता शेष रह जाते हैं और सेवानिवृत्त होकर अपना शेष जीवन व्यतीत करते हैं।

E- ISSN No: 2395-0269

International Journal of Applied and Universal Research
Volume 2, Issue 1, Jan-Feb. 2015 Available online at: www.ijaur.com

Journal OF APPLIED AND UNIVERSAL RESEARCH

मध्यमवर्गीय परिवार – समाज का वर्गीकरण समाजशास्त्रियों का विषय है। यह वर्गीकरण अधिकतर आर्थिक आधार पर होता है। मुख्य रूप से समाज को तीन वर्गों में बॉटा जाता है। निम्न वर्ग, मध्यम वर्ग एवं उच्च वर्ग। देश और काल के आधार पर इन वर्गों की विशेषताएँ अलग–अलग होती हैं। मध्यमवर्गीय परिवार समाज में उच्च वर्ग और निम्न वर्ग के मध्य का वर्ग है (मुक्तकोष विल्किपिडीया)। मध्यमवर्गीय परिवार निम्नवर्ग से असमान होते हैं क्योंकि ये वर्ग उनसे अधिक वस्तुओं का क्रय करते हैं तथा उच्च वर्ग से भी असमान होते हैं क्योंकि यह अपनी आय का अधिकतम भाग अपनी आवश्यक आवश्यकताओं पर व्यय करके भविष्य के लिये कुछ बचत भी कर लेते हैं।

अध्ययन के उद्देश्य :– 1. वर्तमान समय में मध्यम वर्गीय परिवारों के बजट पर जीवन चक्र की विभिन्न अवस्थाओं के प्रभावों का अध्ययन करना।

उपकल्पना :–**1.** मध्यमवर्गीय परिवारों के बजट पर जीवन चक्र की विभिन्न अवस्थाओं का कोई सार्थक प्रभाव नही पाया जायेगा।

2. साहित्य का पुनरावलोकन

Alerondey Bick and Sekyu Chai (2012) द्वारा जीवन चक्र की विभिन्न अवस्थाओं में उपभोग व्यय का अध्ययन किया गया। शोध कार्य के परिणाम दर्शाते हैं कि जीवन चक्र की विभिन्न अवस्थाओं में परिवार का आकार अलग–अलग होता है तथा उपभोग व्यय भी परिवर्तित होता जाता है। अर्थात् पारवारिक जीवन चक्र की अवस्थाएँ व्यय को प्रभावित करती हैं। Mehadi Yadollahj, Laily Haj Paim and Hamid Taboli (2013) द्वारा इरान शहर के मध्यमवर्गीय परिवारों के आर्थिक स्तर का अध्ययन किया गया। शोधकार्य के परिणाम दर्शाते है कि जीवन चक्र की अवस्थाएँ आर्थिक स्तर को मुख्य रूप से प्रभावित करती हैं साथ ही पाया कि परिवार की आय परिवार के सदस्यों की शिक्षा एवं व्यवसाय भी व्यय को प्रभावित करते हैं।

3. शोध प्रविधि :

शोध कार्य के लिए प्रस्तुत की गई अनुसंधान विधि के अन्तर्गत , निद"ान ईकाई एवं सांख्यिकीय तकनीक आदि को सम्मिलित किया गया है।

निद"ान ईकाई :

उज्जैन शहर के मध्यमवर्गीय परिवारों की महिलाओं को निदर्शन ईकाई के रूप में चुना गया है। ने"ानल कॉउन्सिल फॉर अप्लायड इकोनॉमिक रिसर्च सेन्टर फॉर माइक्रो कन्ज्यूमर रिसर्च की एक रिपोर्ट (2009.10) के अनुसार – तीन लाख चालीस हजार रूपये से लेकर सत्रह लाख रूपये तक वार्षिक आय वाले परिवार मध्यमवर्ग के अन्तर्गत आते हैं।

सांख्यिकी तकनीक :

सर्वेक्षण से प्राप्त तथ्यों को सांख्यिकीय रूप से वि" लेषित करने के लिए तथा संकलित तथ्यों को निर्वचन की दृष्टि से उपयोगी बनाने के लिए औसत, प्रति" ात एवं एनोवा टेस्ट का उपयोग किया गया।

4. परिणाम एवं विवेचना :

उपरोक्त तालिका क्रमांक 1 से स्पष्ट होता है पारिवारिक जीवन चक्र की विभिन्न अवस्थाओं में मध्यम आय समूह वर्गों द्वारा बजट की विभिन्न मदों पर किया जाने वाला व्यय अलग–अलग होता है। अतः मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा जीवन चक्र की विभिन्न अवस्थाओं में किया जाने वाला व्यय के मध्य अन्तर सम्बन्ध सार्थक होता है जिससे निष्कर्ष निकलता है कि जीवनचक्र की अवस्थाएँ बजट को सार्थक रूप से प्रभावित करती हैं।

प्रस्तुत शोध अध्ययन में मध्यमवर्गीय परिवारों के बजट पर जीवन चक्र की विभिन्न अवस्थाओं के प्रभाव को ज्ञात करने हेतु जीवन चक्र की प्रारम्भिक अवस्था एवं विस्तृत अवस्था, विस्तृत अवस्था एवं सकुंचित अवस्था, तथा प्रारम्भिक अवस्था एवं संकुचित अवस्था के मध्य अन्तःक्रिया के प्रभावों का अध्ययन हेतु द्विदिशः Factorial Design Anova का प्रयोग किया गया।

तालिका क्रमांक 2 से विदित होता है कि बजट पर द्विदिश अन्तःक्रिया प्रारम्भिक अवस्था x विस्तृत अवस्था का F अनुपात 31.803 पाया गया। जो कि 0.05 सार्थकता स्तर पर उच्च स्तरीय सार्थकता प्रदर्शित करता है। अतः स्पष्ट होता है कि प्रारम्भिक अवस्था में बजट की विभिन्न मदों पर होने वाले व्यय में सार्थक अन्तर है।

उपरोक्त तालिका 3 को देखने पर स्पष्ट होता है कि बजट पर द्विदिश अन्तःक्रिया (Two way interactions) विस्तृत अवस्था x संकुचित अवस्था का F अनुपात 31.952 उच्च स्तरीय सार्थकता प्रदर्शित करता है। अतः स्पष्ट है कि विस्तृत अवस्था एवं संकुचित अवस्था में बजट की विभिन्न मदों पर होने वाले व्यय में सार्थक अन्तर है।

तालिका क्रमांक 4 से विदित होता है कि मध्यमवर्गीय परिवारों के बजट पर द्विदिश अन्तःक्रिया प्रारम्भिक अवस्था x संकुचित अवस्था का F अनुपात 32.020 पाया गया। जो कि 0.05 स्तर पर सार्थक है। अतः स्पष्ट है कि प्रारम्भिक अवस्था एवं संकुचित अवस्था में बजट की विभिन्न मदों पर होने वाले व्यय में अन्तर सार्थक है। अतः प्रारम्भिक एवं संकुचित अवस्था के मध्य अन्तःक्रिया बजट को प्रभावित करती है।

मध्यमवर्गीय परिवारों के बजट पर जीवन चक्र की अवस्थाओं के प्रभाव के अध्ययन में जीवन चक्र के विभिन्न अवस्थाओं के मध्य सभी द्विदिश अन्तःक्रियाएं सार्थक पायी गयी। अतः निर्मित की गयी शून्य परिकल्पनाएँ अस्वीकृत होती है। शोधकार्य के परिणाम एवं पूर्व में रश्मि वर्मा (2000), Vilhoen ;2000), Mehdi Yadollahi, Laily Paim (2013), Alerander Bick, Sekyu Choi (2012), Aleksandra Kolasa (2012) के द्वारा किये गये शोध

E- ISSN No: 2395-0269
International Journal of Applied and Universal Research
Volume 2, Issue 1, Jan-Feb. 2015 Available online at: www.ijaur.com

कार्यो के परिणामों में समानता पायी गयी हैं। जिससे विदित होता हैं कि पारिवारिक जीवन चक्र की अवस्थाएँ पारिवारिक बजट को सार्थक रूप से प्रभावित करती हैं। अतः निश्चित रूप से कहा जा सकता हैं कि मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा जीवन चक्र की विभिन्न अवस्थाओं में बजट की विभिन्न मदों पर किया जाने वाला व्यय अलग–अलग होता हैं क्योंकि जीवन चक्र की अलग–अलग अवस्थाओं में धन की मांग की भिन्न–भिन्न होती हैं। अतः जीवन चक्र की अवस्थाओं का बजट पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता हैं।

तालिका क्रमांक – 1

मध्यम आय समूह वर्गो के परिवारों द्वारा परिवारिक जीवन चक्र की अवस्थाओं में विभिन्न मदों पर किया जाने वाला औसत मासिक व्यय

क्र	व्यय की मद	प्रारंभिक अवस्था (N=145)		विस्तृत अवस्था (N=190)		संकुचित अवस्था (N=125)	
		कुल (N=145)		कुल (N=190)		कुल (N=125)	
		व्यय	प्रतिशत	व्यय	प्रतिशत	व्यय	प्रतिशत
1	भोजन	17998.13	22.84	26411.80	33.74	23171.27	29.26
2	वस्त्र	6322.38	7.39	7258.25	8.75	6023.39	6.72
3	टावास	4973.06	6.21	3018.47	3.72	3134.44	3.66
4	शिक्षा	5556.04	5.72	9478.91	11.17	2831.23	3.46
5	आवागमन	6746.06	8.15	3790.73	5.07	6604.03	7.9
6	मनोरंजन	2272.02	2.79	1317.65	1.67	2307.24	2.73
7	स्वास्थ्य	2351.44	3.12	2609.50	3.05	5295.59	6.09
8	घरेलू व्यय अन्य	15976.32	20.06	15422.25	18.22	16915.6	18.9
9	ब्यत	13645.31	15.89	7041.79	8.20	10313.45	11.57
10	जेबखर्च	3626.44	4.61	1411.71	1.78	6178.81	6.98
11	उपहार व टैक्स	2807.81	3.22	3964.85	4.61	2503.07	2.73
कुल योग		**82275.01**	**100**	**81725.9**	**100**	**85278.73**	**100**

स्त्रोत– सर्वेक्षण पर आधारित।

तालिका क्रमांक 2

मध्यम वर्गीय परिवारों के बजट पर प्रारम्भिक जीवनचक्र की अवस्था एवं विस्तृत जीवनचक्र की अवस्था के मध्य अन्तःक्रिया के प्रभावों के लिए 2x2 असमकोष्ठ फेक्टोरियल डिजाइन एनोवा

Source of Variation	SS	DF	MSS	F.Ratio
Initial Stage (A)	41117.10721	1	41117.10721	6.29342E-05*
Detailed Stage (B)	477451339.6	2	238725669.8	0.365395686
AxB	41557269177	2	20778634588	31.803*
Within	39200080225	60	653334670.4	
Total	**81234841859**	**65**	**1249766798**	

*0.05 स्तर पर सार्थक।

तालिका क्रमांक 3

E- ISSN No: 2395-0269
International Journal of Applied and Universal Research
Volume 2, Issue 1, Jan-Feb. 2015 Available online at: www.ijaur.com

मध्यमवर्गीय परिवारों के बजट पर प्रारम्भिक जीवनचक्र की विस्तृत अवस्था एवं संकुचित अवस्था के मध्य अन्तःक्रिया के प्रभावों के लिए 2X2 असमकोष्ठ फेक्टोरियल डिजाइन एनोवा

Source of Variation	SS	DF	MSS	F.Ratio
Detailed Stage (A)	1721276.69	1	1721276.69	0.002
Shrinked Stage (B)	504767709	2	252383854	0.374
AxB	4.311E+10	2	2.1555E+10	31.952*
Within	4.0476E+10	60	674598499	
Total	**8.4093E+10**	**65**	**1293732859**	

*0.05 स्तर पर सार्थक

तालिका क्रमांक 4

मध्यमवर्गीय परिवारों के बजट पर जीवनचक्र की प्रारम्भिक अवस्था एवं संकुचित अवस्था के मध्य अन्तःक्रिया के प्रभावों के लिए 2X2 असमकोष्ठ फेक्टोरियल डिजाइन एनोवा

Source of Variation	SS	DF	MSS	F.Ratio
Initial Stage (A)	1230326.443	1	1230326.443	0.001
Shrinked Stage (B)	432375686	2	216187843.1	0.324
AxB	4.272E+10	2	21357652313	32.020
Within	4.002E+10	60	667007139.7	
Total	**8.317E+10**	**65**	**1279528293**	

*0.05 स्तर पर सार्थक

5. निष्कर्ष

पारिवारिक जीवन चक्र की विभिन्न अवस्थाओं में मध्यम आय समूह वर्गों द्वारा बजट की विभिन्न मदों पर किया जाने वाला व्यय अलग–अलग होता है। अतः मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा जीवन चक्र की विभिन्न अवस्थाओं में किया जाने वाला व्यय के मध्य अन्तर सम्बन्ध सार्थक होता है जिससे निष्कर्ष निकलता है कि जीवनचक्र की अवस्थाएँ बजट को सार्थक रूप से प्रभावित करती हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. **Yadollahi, mehdi, paim Haj, Laily and Taboli, Hamid- (2013),** *"Head of Household characteristics and family Economic status (F E S) among kerman household, iran."* African Journal of Business management, vol. 7, No. 19, pp. 1903-1913.

2. **Bick, alerander and chai, sekyu.(2012), "** *revisiting the effect of household size on consumption over the life cycle"* www. bick@wiwi.uni-frankfurt.de.

3. **पाटनी, डॉ. मन्जू, (1993),** *''गृह प्रबंध, पारिवारिक जीवन चक्र, धन व्यवस्थापन''* स्टार पब्लिकेशन, आगरा।

4. **पॉटनी, मन्जू, (2001),** *''गृह प्रबंध,''* स्टार पब्लिकेशन, आगरा।